

DPN 6829

Title : चण्डमहारोषण समाधियोग, संक्षिप्त /
CANDA MAHĀROṢAṆA SAMĀDHI YOGA, SAṆKṢIPTA

Run. No. 7554

Cat. No.

Micro. No.

Subject ~~कर्मकाण्ड~~ / Rituḥ

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. / Newa direction

Size in cms. 19 x 6.2

Folios 13

Lines (in a page) 5

✓ Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor ✓

पूर्णकाजी तामाकार

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyāsaphu /

Condition : fine ✓ / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

इति श्री ३ चण्डमहारोषणः संक्षिप्त समाधियोग ॥ ॥ समाप्तः शुभं ॥



ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
वत्सलकर्मलाय नमः ॥ मयि यत्तु गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
उद्दिष्टाय नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
माययुत्र्युषावसत्यस्यैः श्रयैः सुखसाधनाय गतिव्यक्तपुलकि
कृति ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

20

15

10

5

हानयकुरुंरु॥वडानपागजाहावायाय॥अंगकुरुकहसर्व
 इत्यानाहानवन्धमहासुखतधर्मतस्मात्॥निर्विप्रकृतीलावया॥
 धनजिकायाविद्यान॥अंगशरुं॥अकिनयुया॥अंगवधुमहाभाषयः
 ममवकुरुंरु॥धनजसंतय॥अंगशवजोसुनरुं॥अंगहानमंत्र
 कुरुं॥अंगयोगमंत्रकुरुं॥अंगशालानमंत्रकुरुं॥तदनुमंजीकर

साम्प्रदितायाः वज्रवृक्षविहाराहावयत॥आकर्षय॥ ॥हृद
 त्वयवज्रदिलवतीरुंकातासवत्रमिमेकसुहृत्सुधारीरुंरु
 अजिउवनमपिवाप्यःकनिष्ठयावत॥नजवहिनशीवधुमसु
 नाषधमातीयपुनतानरुसिंदुष्टानमिपृष्टादिनूधतविलासः
 अंगवज्रकृष्णमाकर्षयत॥अङ्गुअंगवज्रपागप्रवशायरुं॥अंगवज्रसि

20

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25

30

हरा॥ॐ नागवैश्वी वरुपूषा पुनिय हूं हृष्टा हा॥ॐ जय स्वाहा॥ॐ य
 साये स्वाहा॥ॐ वनू माय स्वाहा॥ॐ कवताय स्वाहा॥ॐ जय य स्वाहा॥
 गवाय स्वाहा॥ॐ नेत्रा त्व स्वाहा॥ॐ शिवा नाय स्वाहा॥ॐ उरु उ
 क्रुल स्वाहा॥ॐ सूर्यागु हाधिय मय स्वाहा॥ॐ वडान क्रुज धिय न
 य स्वाहा॥ॐ नृद्व पधिय स्वाहा॥ॐ नागवैश्व स्वाहा॥ॐ नृसुनेत्य ४

स्वाहा॥ॐ सर्वदिग साक पास त्वः स्वाहा॥ ॥ॐ वरुपूषा स्वाहा॥ॐ व
 रुगि अ स्वाहा॥ॐ वरुधूष स्वाहा॥ॐ वरुदीप स्वाहा॥ॐ वरुने वय स्वा
 हा॥ॐ वरुतार्याय स्वाहा॥ ॥**ताम्र**॥ॐ वरुवीन हूं॥ॐ वरुवैला
 गां॥ॐ वरुमृदला कीं॥ॐ वरुमृधु ज॥ॐ वरुता हा हूं॥ॐ वरुमा
 लजां॥ॐ गीत कीं॥ॐ वरुनल ज॥ॐ वरुगृष्टा हूं॥ॐ वरुधूष



20

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25

30

ॐ॥ॐ॥वक्रावनाकिंनरीं॥ॐ॥गन्धर्वकृन्नाॐ॥वक्रांदर्भसिद्धं॥ॐ॥
शवक्रां॥ॐ॥पद्मवक्रां॥ॐ॥धर्मभाउगर्हन्॥॥ॐ॥हस्ता
वक्र॥ॐ॥हा॥हस्ताय॥॥॥॥मुक्ति॥कृष्णवर्तनभामुखः॥सुवि
श्रुतात्मकविशु॥॥वक्रावतीनभामुखः॥जगद्विषयविशु॥॥हस्ता
वन्तभामुखः॥नादभात्मकवृषकः॥भारवतीनभामुखः॥जगत्मा

हविशु॥॥पानावतनभामुखः॥सर्मनातत्तात्मकविशु॥॥पिशुनव
तीनभामुखः॥जगत्पिशुनभाकथं॥॥वक्रावतनभामुखः॥पुलवक्रा
विशु॥॥॥जगत्पिशुनवृषः॥॥जगद्विषयविशु॥॥हस्ता
वन्तभामुखः॥कृष्णवर्तनभामुखः॥॥जगदीयाविशु॥॥हस्ता
वतीनभामुखः॥॥विष्णो॥हस्ताविशु॥॥जगत्पिशुनवृषः॥॥कानवीकाह्व

20

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25

30

उद्धाहिर्पत्रपीडिताश्च त्रयमर्हः शानाद्गृहासायनः उद्धामागिनिनाडि
 दक्षिणकर्णपाशाद्गृहसमागतः वदशावधुनाषयामहाकाशमदाहस
 दा॥ **॥ नमो भगवते ॥** गं गं गं गं वधुनूयवट २ पुवट २ कट २ पुट २
 पुस्तत्रय २ हन २ गुह २ व २ २ रुमय २ रुहय २ माहय २ सहुम
 पु २ लोम २ व २ धन २ कन २ सुव २ किलीनीगुह २ नपिमावकाधिय

कासीजमय २ मत्र २ मातय २ नूवधुनूकन २ मोवधुमहामाषन
 सुवमाह्वययति ॥ गं वधुमहामाषय २ रुह ॥ **॥ यतनाश ॥** याद
 या ॥ **॥ ओं ॥** मित ॥ **॥ ओं ॥** क ॥ **॥ ओं ॥** म ॥ **॥ ओं ॥** न ॥ **॥ ओं ॥** ट ॥ **॥ ओं ॥** म ॥ **॥ ओं ॥** न ॥ **॥ ओं ॥** र ॥
 पु ॥ **॥ ओं ॥** प ॥ **॥ ओं ॥** य ॥ **॥ ओं ॥** स ॥ **॥ ओं ॥** य ॥ **॥ ओं ॥** स ॥ **॥ ओं ॥** य ॥ **॥ ओं ॥** स ॥ **॥ ओं ॥** य ॥ **॥ ओं ॥** स ॥ **॥ ओं ॥** य ॥
 स ॥ **॥ ओं ॥** य ॥ **॥ ओं ॥** स ॥ **॥ ओं ॥** य ॥ **॥ ओं ॥** स ॥ **॥ ओं ॥** य ॥ **॥ ओं ॥** स ॥ **॥ ओं ॥** य ॥ **॥ ओं ॥** स ॥ **॥ ओं ॥** य ॥

20

15

10

5

0

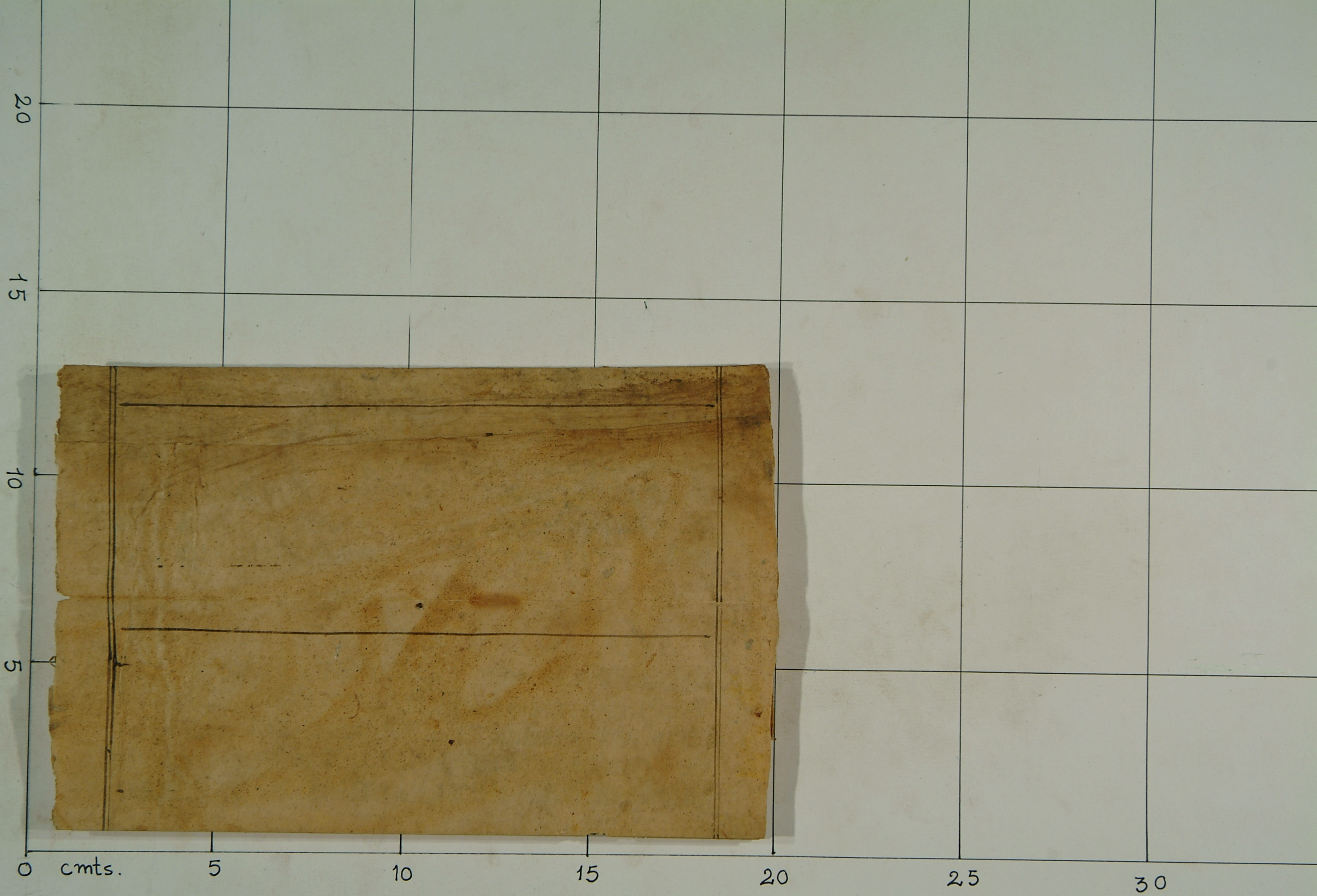
हावता॥ ननु यं कस्तनवायुममुतायप्रिः न जानाये अं जाहं जानममु
 उयकनवृत्तिकापतिहः जाः कात्रनिपात्रः उक्रयप्रलाहूनः पमिपू
 निवः वः शः किं र्वः हः सां मां पां नां वः जानः नही जापिहितः यावदे
 कस्तकादिकं पंचामनः य कपुहीयत्रुधननिषात्रः अं जाहं ॥ वलि
 ज्विष्टात ॥ ॥ अः पूः पः लाः यः मुनि ॥ नतायं जातिकलि

पमितनः वसुसूर्यस्वहावकनहायाकहं जानदृष्टा अं जं शान्यानुमः
 नासुर्धर्माः यत्र स्यान्नगतापती सासुर्धर्माः ज्ञानानूपदिसाः
 सुर्धर्माः देवपुमानसमयपुमायः न इकवावपत्रपुमानं उ
 ननसुखं न हवयुनता देव्याममानुग्रहं उहता हं हवयुं कृति
 क्षानादिलया अं वजात्रिहं वं स अं वसुमहाभाषयसमस्तं

0 cmts. 5 10 15 20 25 30

ॐ नमः शिवाय ॥ **॥ एतन्मन्त्रं कुरुते ॥** ॐ नमः शिवाय ॥
होवावसायः दवाहनमन्त्रं जायते कथायः सकलमात्रविषम
कथायः अतस्मिन्मन्त्रं वयः नत्वमकुरुते मन्त्रं ॥ देवसि गुरु ॥
नश्च उमा नान्निवात्रय ॥ जाय ॥ जाय ॥ मन्त्रं ॥ देवसि गुरु ॥
पश्चात्तय ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥

कुरुते ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥ देव ॥
वयुमहावायः सकलमात्रविषम ॥ **॥ एतन्मन्त्रं कुरुते ॥** ॥ नमः शिवाय ॥



20

15

10

5

0 cmts.

5

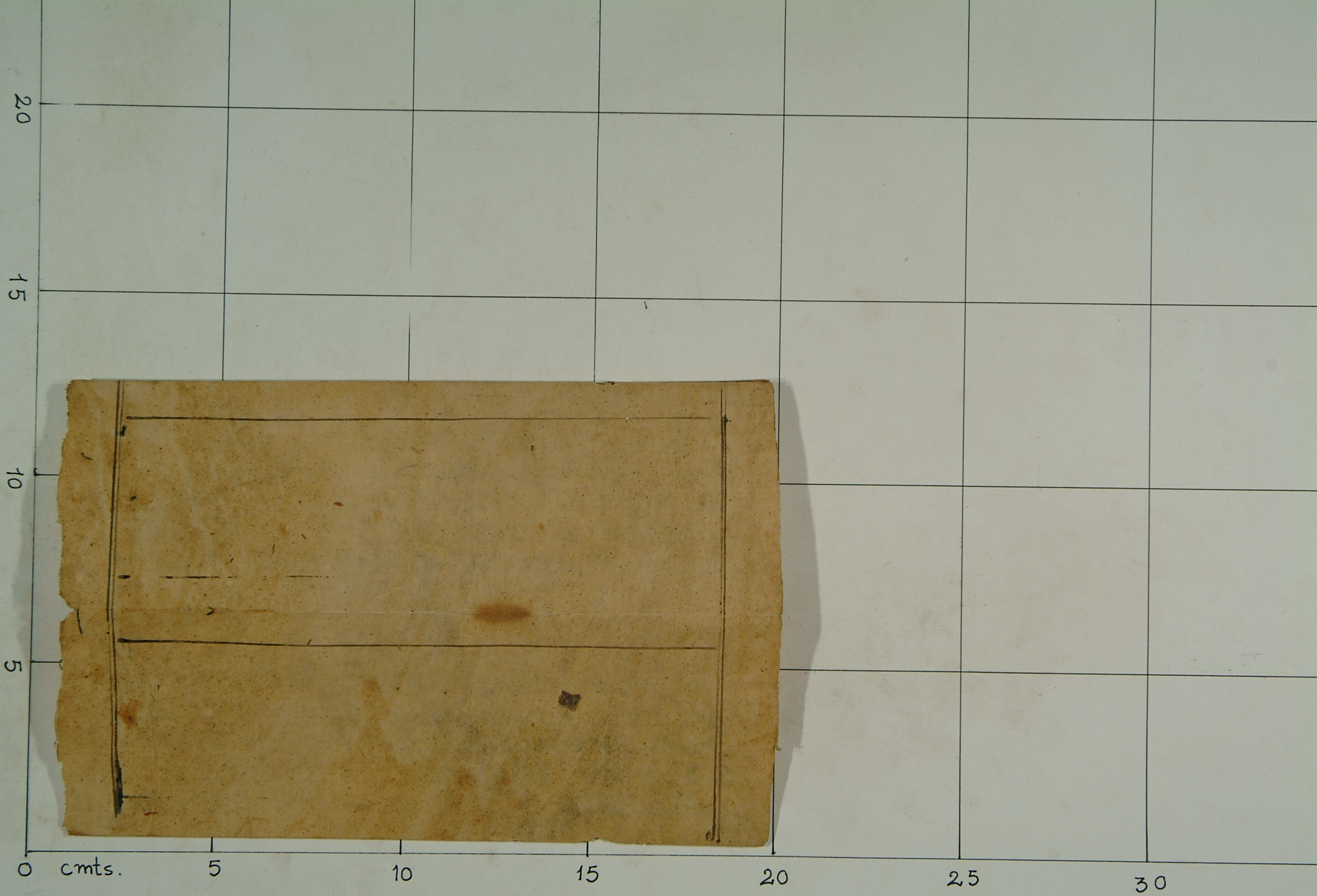
10

15

20

25

30



20

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25

30